COMMERCE

वाणिज्य

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following and answer questions from 1 to 5 :

CONSUMPTION Vs. INFRASTRUCTURE

Over the past three years the average growth in India's GDP has been 8% compared with 5.5% in the proceeding three years. At the heart of this acceleration in growth has been the sharp rise in capital flows dependent on global risk appetite. Cumulatively, over the last three years India has received capital flows of $ 76 billion compared with $ 28 billion in the proceeding three years. This global liquidity spill over into India has allowed the government to pursue relatively loose monetary and fiscal policies. Households and government have lapped - up this liquidity, increasing India's debt to GDP by 32% points and driving the GDP growth rate.

A large part of this borrowing has been used to boost consumption. Ideally, the sharp curve in real interest rate should have generated stepped - up investment by the corporate sector. However, for the last five years, corporates have been reducing their debt - to - equity - ratios and their capex to depreciation has been falling despite rise in return on equity.

But why is the growth mix tilted towards consumption ? This skewed trend is due to weak performance in the public sector. India's infrastructure spending is close to a 25 year low even after the recent pick - up. After years of decline in infrastructure spending as a proportion of GDP, the government appears now to be increasing its productive investments in infrastructure (largely through SPV structures). In addition, overstretched capacity utilisation is prompting some response from corporates. However, the corporate sector is not yet pursuing a full - blown capex cycle as the government is still proving slow to implement investment in infrastructure. On an aggregate basis, the foreign liquidity flows have boosted consumption by government and households more than investments.

There is clearly an urgent need for aggressive investment in infrastructure to correct the imbalance, particularly given the large additions to the country's labour force each other; about 14 million people in the 15 to 65 years age group (the figure for China is only 9 million).

www.examrace.com

In addition, the unemployed population in India is already too large for the country to be able to afford a weak investment environment and low job creation. About 350 million people live on income of less than $.1 (pp Adjusted) a day, indicating that the country's huge number of unemployed is likely to become a major challenge. Both China and India have the problem of a risking work force. However, it has so far evoked different responses from the two governments. While China is focused on infrastructure spending lifting overall investment and creating new productive job at a rampent pace, India is using its public finances to increase populist revenue expenses.

Initially, this consumption and borrowings - driven growth was a positive development because it improved domestic capacity utilisation. But since early 2004, a rising proportion of the consumption growth has been met through imports. In otherwords, incrementally every rupee of consumption boosted by borrowing is not generating the same positive impact on domestic output and corporate operating earnings as it did when capacity utilisation was low.

पिछले तीन वर्षों से भारत का औसत सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) 8% प्रतिशत रहा है। इसके पहले के तीन वर्षों के दौरान यह केवल 5% था। वृद्धि की इस गति के मूल में, वैश्विक जोखिम को सह सकने की क्षमता पर आधारित, पूंजी प्रवाह में तेजी से होने वाली बढ़ोत्तरी है। कुल मिलाकर / पूंजीभूत रूप में, पिछले तीन वर्षों में भारत ने 76 बिलियन डालर के पूंजी प्रवाह को अर्जित किया है, जो इसके पहले के तीन वर्षों के 28 बिलियन डालर से बहुत अधिक है। इस वैश्विक नकदी तरलता का भारत में हस्तक्षेप के कारण सरकार अपेक्षाकृत ढीली मौद्रिक तथा वित्तीय नीतियों का अनुसरण कर सकी है। नागरिकों तथा सरकार दोनों ने इस नगदी-तरलता को हाथों हाथ लिया। दिल खोलकर अपनाया जिसके कारण सकल घरेलू उत्पाद के प्रति भारत की देनदारी 32 प्रतिशत बिंदु तक बढ़ी तथा भारत की सकल घरेलू उत्पाद की दर में भी बढ़ोत्तरी हुई। इस उभार के बड़े हिस्से का उपयोग खपत को बढ़ाने के लिये किया गया है। आदर्श स्थिति में, वास्तविक ब्याज-दर में अत्यधिक कमी के कारण कार्पोरेट सेक्टर को सामान्यतया अपने निवेश को बढ़ाना चाहिए था। तथापि, पिछले पाँच वर्षों में कार्पोरेट सेक्टर सामान्य पूंजी के अनुपात में अपने कर्ज कम कर रहे हैं तथा सामान्य पूंजी पर होनेवाले वृद्धिशील मुनाफे के बावजूद मूल्य ह्रास के अनुपात में उनका पूंजीगत व्यय घट रहा है।

परन्तु वृद्धि-मिश्र का झुकाव खपत की ओर क्यों है? तिरछे झुकाव की यह प्रवृत्ति सार्वजनिक क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन का परिणाम है। हाल में आये उच्च उफान के बावजूद भारत का आधारभूत ढाँचे पर खर्चा पिछले पचीस वर्षों में इतना कम नहीं था। सकल घरेलू उत्पाद के समानुपात के रूप में आधारभूत ढाँचे पर खर्चे में लगातार कई वर्षों में की गई कमी के बाद, ऐसा प्रतीत होता है कि, अब सरकार आधारभूत ढाँचे में अपना निवेश बढ़ा रही है (प्रधानतया एस.पी.वी. संरचना द्वारा)। इसके अतिरिक्त क्षमता उपयोग में अधिक खिंचाव कार्पोरेट सेक्टर को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर है, फिर भी कार्पोरेट क्षेत्र अभी तक एक पूर्ण पूंजीगत खर्च चक्र को अपना नहीं पाया है क्योंकि आधारभूत ढाँचे में निवेश को लागू करने में सरकार अभी तक सुस्त साबित हुई है। सकल आधार पर, कुल विदेशी नगदी प्रवाह ने, नागरिकों तथा सरकार दोनों द्वारा, निवेश से अधिक उपभोग को बढ़ावा दिया है।

www.examrace.com

यह स्पष्ट है कि इस असंतुलन को सही करने के लिए आधारभूत ढाँचे में जोरदार निवेश करने की तत्काल आवश्यकता है। इसकी आवश्यकता विशेष रूप में इसलिए भी है कि देश के श्रमिक बल में प्रत्येक वर्ष अधिकाधिक संख्या में वृद्धि हो रही है : 15 से 65 वर्ग के आयु-वर्ग के 14 मिलियन श्रमिक इस बल में प्रतिवर्ष जुड़ रहे हैं (चीन में यह संख्या केवल 9 मिलियन है)। इसके अतिरिक्त भारत में बेरोजगारों की बहुत बड़ी संख्या है जिसके लिए एक दुर्बल निवेश वातावरण तथा कमतर संख्या में नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने में देश समर्थ नहीं है। भारत में लगभग 350 मिलियन लोग प्रतिदिन 1 डालर से कम की आय (पी.पी.पी. को समायोजित कर) पर जीवन यापन करते हैं जो इस बात की ओर इशारा करता है कि देश के लिए विशाल संख्यक बेरोजगार लोग एक बड़ी चुनौति बनने वाले हैं। भारत तथा चीन दोनों के सामने बढ़ते हुए कार्य-बल की समस्या है। तथापि, इस पर इन दो सरकारों की प्रतिक्रियाएँ भिन्न है। जहाँ चीन ने, अनियंत्रित रूप में कुल सामान्य निवेश को हटा कर तथा उत्पादकता पूर्ण नौकरियों के नवीन अवसर पैदा कर, अपना ध्यान आधारभूत ढाँचे के खर्चों पर केन्द्रित किया हैं; वहाँ भारत अपने सार्वजनिक आर्थिक कोष का उपयोग लोकप्रिय राजस्व खर्चों को बढ़ाने में कर रहा है।

आरंभ में उपभोग तथा उधारी द्वारा चालित वृद्धि एक सकारात्मक विकास था, क्योंकि इससे देशीय क्षमता का उपयोग बढ़ा। परंतु सन् 2004 के प्रारंभ से खपत वृद्धि की पूर्ति अधिकाधिक रूप में आयात द्वारा की जाने लगी। दूसरे शब्दों में, उधारी द्वारा बढ़ाया गया उपभोग का प्रत्येक रुपया घरेलू उत्पादन तथा कार्पोरेट ऑपरेटिंग आमद पर वही सकारात्मक प्रभाव पैदा नहीं कर सका जो तब होता था जब क्षमता उपयोग कम था।

1. What is the trend of growth in India's GDP in the last six years ?

पिछले छः वर्षों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की प्रवृत्ति क्या रही है?

www.examrace.com

2. Do you think that capital inflows towards India during last six years are healthy ? Why ?

क्या आप ऐसा सोचते हैं कि भारत की ओर पूंजी अंतर्प्रवाह स्वस्थ रहा है ?

3. What was the main purpose for which a large part of the borrowings has been used ?

उधारियों के एक बड़े भाग का उपयोग करने का प्रमुख उद्देश्य क्या था ?

www.examrace.com

4. Will you give priority to investment in infrastructure over consumption ? Why ?

क्या आप अवसंरचना पर निवेश को उपभोग पर निवेश से अधिक तरजीह देंगे? क्यों?

www.examrace.com

5. What is the impact of consumption boosted by borrowings on Indian economy ?

उधारियों द्वारा बढ़ाए गए उपभोग का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

www.examrace.com

6. State three objectives of economic planning.

आर्थिक नियोजन के तीन उद्देश्यों का उल्लेख करें।

7. Outline three objectives of Cash Flow Statement.

कैश फ्लो स्टेटमैन्ट के तीन उद्देश्यों के बारे में लिखें।

8. State three applications of Marginal Costing in managerial decision making.

प्रबन्धकीय निर्णय में मार्जिनल कॉस्टिंग के तीन अनुप्रयोग (applications) बताएँ।

www.examrace.com

9. Differentiate between oligopoly market and monopolistic market.

ओलीगोपोली तथा मोनोपॉलिस्टीक बाजार के बीच अन्तर बतायें।

10. Define sampling and give two advantages.

प्रतिचयन (sampling) की परिभाषा करें और इस के दो लाभ बताएँ।

www.examrace.com

11. Is correlation coefficient of 0.6 calculated from 27 observations is significant at 5% level of significance ? Why ?

क्या r = 0.6 जिस को 27 संख्याओं से निकाला गया है, 5% के लेवल ऑफ सिग्नीफिकेंस पर सिग्नीफिकेन्ट है ?

12. Define 'Business Ethics'. What are its essential features ?

व्यापार नैतिकता की परिभाषा दें। इस की आवश्यक विशेषताएँ क्या हैं ?

www.examrace.com

13. State the benefits of Marketing Planning.

मार्केटिंग प्लानिंग के लाभों को लिखें।

14. State three factors taken into consideration for product decision.

उत्पाद सम्बन्धी निर्णय लेते समय ध्यान में रखे जाने योग्य तीन तत्वों का उल्लेख करें।

www.examrace.com

15. Define working capital and give various components of working capital.

कार्यशील पूंजी की परिभाषा दें और इस के विभिन्न घटकों का उल्लेख करें।

16. What do you mean by fringe benefits ? Give three examples.

फ्रिन्ज बैनिफिट से आप क्या समझते हैं ? इसके तीन उदाहरण दें।

www.examrace.com

17. State the advantages of job analysis.

जाब एनालिसिस के उपयोगों का उल्लेख करें।

18. State the characteristics of the 'second phase of Banking Sector Reforms' in India.

बैंकिंग सेक्टर के द्वितीय चक्र के सुधारों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

www.examrace.com

19. Differentiate between Balance of Trade and Balance of Payment.

बैलैन्स ऑफ ट्रेड तथा बैलैन्स ऑफ पेमेन्ट का अन्तर स्पष्ट करें।

20. Explain international liquidity.

अन्तर्राष्ट्रीय तरलता (international liquidity) की व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose <u>only one</u> elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

(Accounting and Finance)

(लेखांकन तथा वित्त)

21. Discuss the effects of inflation on the financial statements of a business organization.

किसी संगठन के वित्तीय विवरणों पर मुद्रा स्फीति का क्या प्रभाव पड़ता है? चर्चा करें।

22. State the objectives of Responsibility Accounting. How will you evaluate the performance of an Investment Centre ?

उत्तरदायी लेखांकन के उद्देश्यों का उल्लेख करें। आप निवेश केन्द्र की उपलब्धियों का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

23. Critically examine the functions of NSE.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के कार्यों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

24. Define Lease Financing and explain its importance for a large business organization.

लीज फाइनेन्सिंग की परिभाषा कीजिए तथा किसी बड़े संगठन में इस के महत्व का वर्णन करें।

25. Discuss the role of SEBI in protecting the interest of investors.

निवेशकों के हित के संरक्षण-हेतु सेबी की भूमिका की चर्चा कीजिए।

www.examrace.com

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

(Marketing)

(विपणन)

21. "Marketing Mix elements are called marketing variables". Discuss.

"मार्केटिंग मिक्स के तत्वों को मार्केटिंग वेरियेबिल कहते हैं" चर्चा कीजिए।

22. Explain the steps to be followed to determine the price of a new product.

किसी नई वस्तु की कीमत निर्धारण में कौन से कदम उठाए जाते हैं? उन की व्याख्या कीजिए।

23. Discuss in brief the various techniques to study the consumer behaviour.

उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन में प्रयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

24. How is a sound marketing mix package determined and monitored in Service Sector ?

सेवा क्षेत्र में दृढ़ मार्केटिंग मिक्स पैकेज का निर्धारण एवं मोनिटरिंग कैसे करते हैं?

25. What is rural marketing ? Discuss the strategies adopted by corporate giants to penetrate the rural market.

ग्रामीण मार्केटिंग क्या है ? ग्रामीण बाजार में अपनी पैठ बनाने के लिए बड़े निगमों द्वारा अपनाई जानेवाली रणनीतियों की चर्चा करें।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

(Human Resource Management)

(मानव संसाधन प्रबन्ध)

21. Discuss the needs for training and development of employees.

www.examrace.com

कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं विकास से संबंधित आवश्यकताओं की चर्चा करें।

22. What do you mean by employee morale ? Give your suggestions for improving the same.

कर्मचारी-मनोबल से आप क्या समझते हैं? इसको बढ़ाने के लिए अपने सुझाव दें।

23. Explain briefly any two methods of performance appraisal.

परफार्मेंस अप्रेजल की किन्हीं दो विधियों की संक्षिप्त व्याख्या करें।

24. What do you mean by job specification ? Discuss it with an example.

जॉब स्पेसिफिकेशन से आप क्या समझते हैं? इसकी सोदाहरण चर्चा करें।

25. Critically examine the industrial relations in India during last five years.

पिछले पाँच वर्षों के दौरान भारत में औद्योगिक संबंधों का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

OR / अथवा

Elective – IV

विकल्प – IV

(International Business)

(अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार)

21. Briefly explain the steps taken by Government of India for protecting Intellectual Property Rights.

बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई.पी.आर.) के संरक्षण के लिए भारत की सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

22. Do you advocate full convertibility of Indian rupee ? Explain.

क्या आप भारतीय रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता के पक्षधर हैं? स्पष्ट करें।

23. Critically examine the comprehensive free trade agreement between India and Singapore.

भारत तथा सिंगापुर के बीच हुए व्यापक मुक्त व्यापार समझौते का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

www.examrace.com

24. What do you mean by foreign exchange risk ? What are the steps for managing it ?

विदेशी मुद्रा जोखिम से आप क्या समझते हैं। इसके प्रबंध के लिए कौन-कौन से कदम उठाये जा सकते हैं ?

25. "FIIs are not playing the desired role in the Indian Capital Market". Do you agree ? Why ?

"भारतीय पूँजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक (FIIs) वांछित भूमिका नहीं निभा रहे हैं" क्या आप इससे सहमत हैं ? क्यों ?

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

(Income-Tax Law and Tax Planning)

(आयकर तथा नियोजन)

21. How taxable income of newly established industrial undertaking in a special economic zone is computed ? Explain.

विशेष आर्थिक क्षेत्र में नव-स्थापित किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान की करयोग्य आय की गणना कैसे की जाती है ? व्याख्या करें।

22. Define tax planning. With an appropriate illustration, explain how an employee having a Gross Salary of Rs. 4.5 lakhs can apply tax planning techniques.

टैक्स नियोजन की परिभाषा दें। एक उदाहरण देकर व्याख्या करें कि 4.5 लाख कुल वेतन पाने वाला एक कर्मचारी टैक्स नियोजन की तकनीकों का उपयोग कैसे कर सकता है ?

23. Explain the provisions of the Income Tax Act dealing with defaults and penalties.

आयकर अधिनियम में दिए गए कर-भुगतान में चूक तथा इसके लिए जुर्माना से संबंधित प्रावधानों की व्याख्या करें।

24. Explain briefly the incomes which are exempted from tax.

आय के उन प्रकारों की संक्षिप्त व्याख्या करें जो टैक्स के दायरे से बाहर हैं।

25. Discuss the applications of computer in Income Tax and Tax Planning.

आयकर तथा टैक्स नियोजन में कम्प्यूटर के अनुप्रयोग की चर्चा करें।

www.examrace.com

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the role of SMEs Sector in the development of Indian Economy.

भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एस.एम.ई. की भूमिका की चर्चा करें।

OR / अथवा

Explain the concept of NPAs in the Banking Sector. Discuss the steps taken to reduce them.

बैंकिंग क्षेत्र में एन.पी.एस. की धारणा की व्याख्या करें। इन्हें कम करने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं? इनकी चर्चा करें।

OR / अथवा

What do you mean by Corporate Social Responsibility ? Discuss with examples, how the Indian companies are discharging their social responsibilities in recent times.

व्यापारिक निगमों के सामाजिक दायित्व से क्या अभिप्राय है? हाल के समय में भारतीय कंपनियाँ अपने सामाजिक दायित्व को किस प्रकार निभा रही हैं। इसकी चर्चा सोदाहरण करें।

www.examrace.com